प्रायद्वीपीय पठार

- संपूर्ण प्रायद्वीपीय भारत का क्षेत्रफल 7 लाख वर्ग km., 1600 km हिन्द महासागर में प्रक्षेपित
- प्रायद्वीपीय भारत में कई छोटी-छोटी पर्वतीय श्रृंखलाएँ मिलती है। इन श्रृंखलाओं ने प्रायद्वीपीय भारत को कई छोटे-छोटे पठारों में विभक्त कर दिया है। इसलिए इसे पठारों का पठार भी कहा जाता है।
- प्रायद्वीपीय पठार प्राचीनतम गोंडवाना भूखंड का एक भाग है। इसके भूगर्भ में पेंजिया के समकालीन पठार पाये जाते है।
- प्रायद्वीपीय भारत के उच्चावच और भूदृश्य का अध्ययन दो शीर्षकों में किया जा सकता है -

(A) प्रायद्वीपीय भारत के पर्वत

1. पश्चिमी घाट
2. पूर्वी घाट
3. अरावली पर्वत
4. सतपुड़ा पर्वत
5. विंध्यन पर्वत
6. राजमहल की पहाड़ी
7. गारो, खासी, जयंतिया

(B) प्रायद्वीपीय भारत के पठार

1. दक्कन का पठार
   - (i) महाराष्ट्र का पठार, (ii) विदर्भ का पठार — महाराष्ट्र का पठार
   - (iii) तेलंगाना का पठार, (iv) रायलसीमा का पठार — आंध्रप्रदेश का पठार
   - (v) बंगलौर का पठार, (vi) मैसूर का पठार — कर्नाटक का पठार
   - (vii) कोयम्बटूर का पठार — तमिलनाडु का पठार
2. काठियावाड़ का पठार
3. उत्तर का पठार
   - (i) मारवाड़ का पठार, (ii) मेवाड़ " ", (iii) मालवा " ", (iv) बुंदेलखंड " — मध्यवर्ती पठार
   - (v) बस्तर का पठार, (vi) बघेलखंड " ", (vii) दण्डकारण्य " ", (viii) छोटानागपुर " ", (ix) मेघालय " " — पूर्वी पठार

1. पश्चिमी घाट

- प्रायद्वीपीय भारत के प० किनारे पर अरब सागर तट के समानांतर स्थित
- उत्तर में ताप्ती के मुहाना से द० में कन्याकुमारी तक
- कुल लम्बाई 1200 km, औसत ऊँचाई - 915 m.
- यह उत्तर में कम चौड़ा & द० में अधिक चौड़ा

→ 16° N से ताप्ती नदी तक - स्थानीय - प० घाट है। — सह्याद्रि

• सबसे ऊँची चोटी कलसुबाई (1646)